an>

Title: Need to develop Rajgir in Bihar as a tourist place of international importance.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) ः बिहार के गर्भ में इतिहास की अमूल्य धरोहरें हैं। उन्हीं में राजगीर एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का स्थल है। यह कभी मगध साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। यह स्थल कभी राजगृह, वसुमतिपुर, बृहद्रथपुर, गिरिब्रज और कुशग्रपुर आदि नाम से भी जाना जाता था, ऐसे जिक्र पौराणिक साहित्य में है। राजगीर ब्रह्मा जी की पवित्र यज्ञ-भूमि और संस्कृति और वैभव का केन्द्र तथा जैन तीर्थंकर महावीर और भगवान बुद्ध की साधना भूमि रही है। राजगीर का जिक्र ऋग्वेद, अथर्वेद, तैत्तीय उपनिषद्, वायु पुराण, महाभारत, वाल्मीकि रामायण आदि में आता है। यह स्थल जरासंध, श्रेणिक, बिम्बिसार, कनिष्क आदि प्रसिद्ध शासकों का निवास स्थान था। ज्ञान की नगरी और प्राचीनतम विश्वविद्यालय नालंदा यहीं अवस्थित था। अतः इस ऐतिहासिक महत्व के स्थल राजगीर को राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों से विकसित तो कर रही है, किन्तु इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल विकसित करने के लिए केंद्र सरकार का पूर्ण सहयोग आवश्यक है। राजगीर पंच पहाड़ियों एवं घने जंगलों के बीच बसा हुआ है। यहाँ पर सभी दर्शनीय स्थलों यथा-गृद्धकूट पर्वत, वेणू-वन, स्वर्ण भण्डार गुफा, जैन मंदिर, तपोधर्म आश्रम, सप्तवर्णी गुफा, जीवकर्म, कर्णदा टैंक, मनियार मठ, मराका कुक्षी, रणभूमि, विश्वशांति स्तूप, पुराने दुर्ग के खण्डहर, बिम्बिसार कारागृह, जरासंध का अखाड़ा, पाण्डु पोखर, 52 गर्म जलस्रोत, लक्ष्मी नारायण मंदिर आदि का यदि समुचित विकास होता है तो मलमास मेले के लिए तीर्थ यात्रियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था की जाए, तो राजगीर देश के मानचित्र पर एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल एवं पर्यटन का केन्द्र बनेगा। इससे वहाँ के स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही सरकार को भी राजस्व की कमाई है। राजगीर में एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं पुस्तकालय स्थापित करने की भी आवश्यकता है। राजगीर को बौद्ध सर्किट से जोड़ने की भी आवश्यकता है। यहाँ काफी विदेशी पर्यटक साल भर आते रहते हैं। अतः वहाँ एक स्टेडियम और पर्यटन विभाग का पाँच सितारा होटल खोलने की भी आवश्यकता है। राज्य सरकार काफी समय से नालंदा में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विकसित करने की योजना केंद्र सरकार के पास भेज चुकी है।

अतः केंद्र सरकार राजगीर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सभी प्रकार की आर्थिक मदद प्रदान करे और इसे विश्व हेरीटेज साईट के लिए जो भी प्रक्रिया हो, अविलंब प्रारम्भ करने की कृपा करे।